Yash college of Education, Rurkee (Rohtak)

School list for B.Ed School Internship programme 2016-18

B.Ed 2nd Year

Sr. No.	School Name	Roll No.	Total students	Teacher Incharge
1	D.R.M. Sr. Sec. School, Rurkee	1701, 02, 03, 04, 05, 06, 07, 08, 09, 10, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21	20	Ms. Nisha
2	CSM High School, Mungan	1722, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 31, 32, 33, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 44, 46,	20	Ms. Pinki
3	Baba Nagar Das Sr. Sec. School, Kiloi	1747, 48, 50, 52, 53, 54, 55, 57, 58, 59, 60, 62, 63, 64, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 74	21	Ms. Monika
4	H.R. M. Sr. Sec. School, Kiloi	1775, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 93, 94, 95, 96	21	Mr. Ashok

Schedule: 24.11.17 to 15.03.18

INDEX

Name : Meenu Kumari Roll No. 1643 University Roll No. 2615640

Title : Project File :- School based activities

Sr. No.	Topic	Page No.	Date	Teacher's Sign Remarks
1.	Continuous & Comprehensive Evaluation	1-3		
2.	Introduction of CCE in Haryana	4-5		
3.	Result sheet	6-7		
4.	Black-Board Scheme	8-14		Operation Black Board
5.	Education Policy 1992	15		
6.	Need & Importance of B.B.	16-17		
7.	Map - Globe	18		
8.	School Experience	19-30		
			S.S.A	1-5 6-14

Continuous and Comprehensive Evaluation
(निरंतर तथा व्यापक मूल्यांकन)

Continuous Evaluation :→

Meaning :→ इसमें विद्यार्थियों का मूल्यांकन पूरे वर्ष भर या नियमित रूप से अल्पविधि के अन्तराल पर चलता रहता है। इसके अन्तर्गत शिक्षण प्रक्रिया की जाँच की जाती है।

Scope :→
1. जिन शैक्षिक संस्थाओं में थोड़े-2 अन्तराल पर मूल्यांकन की आवश्यकता पड़ती है।
2. जहाँ आन्तरिक मूल्यांकन व्यवस्था प्रभावपूर्ण व सन्तोषजनक नहीं होती है।
3. जहाँ शिक्षा संस्थान का क्षेत्र व्यापक एवं विस्तृत होता है तथा अनेकों विभागों का मूल्यांकन करना पड़ता है।

Purpose of Continuous Evaluation

1. पूरे हो चुके रिकॉर्ड की चैक करना :→ निरंतर मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य संस्था के सभी रिकार्डों की पूरी तरह से जाँच करना होता है क्योंकि यह वर्ष पर्यन्त चलता रहता है।

2. भविष्य के लिए नियोजन :→
इसका उद्देश्य रिकार्डों की पूरी तरह जाँच करने के बाद उनसे ऐसी योजनाएँ बनाना जिससे भविष्य में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

3. अशुद्धियों को शीघ्र प्रकट करना :→
निरंतर मूल्यांकन द्वारा शिक्षण-अधिगम में हुई अशुद्धियों का शीघ्र पता लगाया जा सकता है।

4. निरंतर मूल्यांकन द्वारा प्रगति की रिपोर्ट प्रदर्शित करना।

5. शिक्षण-अधिगम से संबंधित मूल्यांकन सुझाव देना।

Comprehensive Evaluation

Comprehension

Meaning :→ यह वर्ष के अन्त में किया जाता है, जब सारी शिक्षण-क्रिया समाप्त हो जाती है। यह उन संस्थाओं के लिए उपयोगी है, जहाँ किये गये अध्यापन कार्य सीमित होते हैं।

Features :→
1. विस्तृत मूल्यांकन वर्ष की समाप्ति पर ही किया जाता है।
2. मूल्यांकन का कार्य एक ही निरंतर सत्र में करके पूरा किया जाता है।

Purpose :→
1. To check the allround development of the students.
2. To make some important decisions related to institutions.

University Roll No. ________

3. To improve the teaching - learning process.
4. To make policies regarding curriculum activities.
5. To make plan for the students for their allround development.

Problems of Continuous and Comprehensive Evaluation

1. **खर्चीली :→** यह एक अत्यंत खर्चीली प्रणाली है जो छोटी संस्थाओं के बजट के अनुकूल नहीं हो सकती।

2. **कार्य अस्त-व्यस्त होना :→** समय-2 पर मूल्यांकन करने से छात्रों का दैनिक अध्यापन कार्य प्रभावित होता है।

3. **नीरसता :→** मूल्यांकन का कार्य यंत्रवत हो जाता है। कार्य में नीरसता उत्पन्न हो जाती है, क्योंकि मूल्यांकन-कर्ता यह जानते हैं कि वर्ष पूरा होने में अभी समय है।

4. **अस्वास्थ्यकर संबंध :→** बार-बार मूल्यांकन करने से छात्रों एवं अध्यापकों के बीच अस्वास्थ्यकर संबंध उत्पन्न होने की अधिक संभावना बनी रहती है।

Suggestions for improving quality of Learning

1. **आकस्मिक जांच :→** मूल्यांकनकर्ता को तिथि व समय की सूचना दिए बिना आकस्मिक जाँच करनी चाहिए।

2. संक्षिप्त समीक्षा :→

मूल्यांकन का कार्य आरंभ करने से पूर्व पिछले मूल्यांकन के निष्कर्षों की समीक्षा कर लेनी चाहिए।

3. एक ही बैठक में कार्य पूरा करना :→

किसी एक विशेष व्यवहार की जाँच का कार्य जहाँ तक संभव हो, एक ही बैठक में पूरा कर लेना चाहिए।

4. विशेष चिन्हों का प्रयोग :→

दुबारा लिखे गए अंकों की जाँच करते समय विशेष चिन्हों का प्रयोग करना चाहिए।

5. अध्यापकों में परिवर्तन :→

मूल्यांकन का कार्य भिन्न-2 अध्यापकों द्वारा करना चाहिए ताकि अध्यापक एवं छात्र मिल-कर पक्षपात न करें।

Introduction of scheme of CCE in Haryana

हरियाणा सरकार द्वारा भी मूल्यांकन प्रणाली में सुधार हेतु कई तरह की नीतियाँ निर्धारित की गई हैं ताकि बच्चों की निरंतर प्रगति को बढ़ावा मिल सके। परीक्षा को सत्र के दो भागों में बाँट दिया गया है। अब साल के अंत में तो परीक्षा होती ही है लेकिन सैमेस्टर प्रणाली द्वारा मध्य में भी परीक्षाएं ली जाती हैं। हरियाणा सरकार ने निरंतर एवं विस्तृत दोनों प्रकार की मूल्यांकन प्रणाली को ध्यान में रखकर बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

Operational issues for enhancing learning achievement of students :→

सरकार द्वारा अपनाई गई निरंतर एवं विस्तृत मूल्यांकन प्रणाली ने शिक्षण - अधिगम के स्तर में सुधार किया है, क्योंकि इस मूल्यांकन प्रणाली के द्वारा जहां शिक्षकों ने अपनी शिक्षण विधियों को विद्यार्थियों के स्तर अर्थात् उनके मानसिक स्तर के अनुसार परिवर्तित किया है, वहां विद्यार्थी भी अपने मूल्यांकन के प्रति सचेत हो गए हैं और अपना सर्वांगीण विकास करने में सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

Importance of Evaluation

निरंतर एवं विस्तृत मूल्यांकन प्रणाली का शिक्षा के क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि इसके द्वारा हम बच्चों की अधिगम क्षमता को बढ़ा सकते हैं। इस मूल्यांकन के महत्वपूर्ण लाभ निम्न प्रकार हैं :→

1. सभी अभिलेखों की पूर्ण रूप से जांच की जा सकती है।
2. अध्यापक अपने मूल्यांकन कार्य की योजना व्यवस्थित ढंग से बना सकते हैं।
3. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के दौरान होने वाली अशुद्धियों को शीघ्रता से प्रकट किया जा सकता है।
4. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया पर पूर्ण नियंत्रण बना सकता है।
5. विस्तृत अपेक्षण उचित समय के अन्दर किया जा सकता है।
6. शिक्षण अधिगम विधियों में सुधार किया जा सकता है।

D.R.M. Sr. Sec. School

Session – 2016-2017
Class – 9th
Subject – Social Science

Name	Oct F_1	Nov F_2	Dec F_3	Jan F_4	Avg
Sonia	15	8	16.5	17	Excellent
Sahil	14	12.5	13	13	Good
Meenu	7	10.5	8	9	Good
Mohit	5	4	3	6	Poor
Tanu	9	9.5	4.5	10	Good
Asha	10	13.5	11	14.5	Good
Vishal	17.5	15	18.5	16.5	V.good
Umesh	14	16	17	15	V.good
Andeep	16	12	14	14.5	V.good
Sahil	12.5	10	13.5	14	Good
Sandeep	18	15	–	16	Ex.

Name	Oct F_1	Nov F_2	Dec F_3	Jan F_4	Avg.
Shruti	9.	10	8.5	7	Good
Parveen	11	10.5	7	13.5	Good
Ravi	14	13.5	13.5	16	V. good.

Black Board Scheme :→ केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रायोजित प्रतिमात्मक नाम है - ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड। जब हम शिक्षा के स्तर को सुधारने व उसमें गुणवत्ता लाने की बात करते हैं तो अनायास ही, हमारा ध्यान देश के प्राथमिक स्कूलों की ओर चला जाता है जहां न तो अच्छे भवन हैं और न ही अन्य शैक्षिक सुविधाएं। जहां प्राथमिक स्कूलों में एक या दो कमरे हैं भी वे भी असुरक्षित हैं। अधिकतर स्कूल एक अध्यापिका स्कूल (Single Teacher School) हैं। इसीलिए 1986 में बनी नई शिक्षा नीति में एक 'अभियान आरम्भ करने का एक प्रस्ताव किया गया जिसका सांकेतिक नाम है - 'ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड'।

Meaning :→

Operation → 'अभियान' शब्द इस कार्यक्रम की 'आवश्यकता व महत्व को सूचित करता है। अर्थात् इस कार्यक्रम को बड़े जोर-शोर से आरंभ करता है।

Blackboard :→ 'श्यामपट्ट' शब्द सांकेतिक है जिसका अर्थ है -

1. विद्यालय में भौतिक सुविधाएं उपलब्ध कराना।
2. विद्यालय में सीखने संबंधी सामग्री।

योजना की आवश्यकता
(Need of the plan)

प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के सीखने की मूल आवश्यकताओं को पूरा करना और उपलब्धि के स्तर को बढ़ाना" यह 'आज विश्वभर में चिन्ता का मुख्य विषय है। भारत भी इसका 'अपवाद' नहीं है। वस्तुतः भारत के संविधान को अपनाये जाने और राज्यों की नीतियों के निर्देशक सिद्धांतों के अन्तर्गत अनुच्छेद 45 के माध्यम से संवैधानिक दायित्व के रूप में 6-14 वर्ष की आयु समूह के सभी बच्चों के लिए सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा के साथ-2 निम्नलिखित प्रयत्न भी करने चाहिए :→

1. बच्चों के लिए उनके निवास स्थान के निकट शिक्षा की व्यवस्था करना।
2. पाठ्यक्रम को विद्यार्थियों के दैनिक जीवन की आवश्यकताओं से संबंधित करना।

पाठ्यक्रम को समुदाय की आर्थिक समस्याओं और सामाजिक उत्थान बनाने की दिशा में कुछ प्राप्ति हुई है। परंतु सभी विद्यार्थियों को 14 वर्ष की आयु तक विद्यालय में बने रहने तथा स्तर प्राप्त करने के लक्ष्य को अभी तक पाया नहीं जा सका है। इस स्थिति के लिए कुछ मुख्य कारण इस प्रकार है :-

1. विद्यालयों में कमरों आदि तथा अन्य अनिवार्य सुविधाओं का पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध न होना।
2. अध्यापकों व विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य शिक्षण अधिगम सामग्री का उपलब्ध न होना।

विद्यालय छोड़कर जाने वाले विद्यार्थियों की दरों में कमी लाना आवश्यक है। उनकी उपलब्धि के स्तर को उन्नत करने में आने वाली बाधाओं को दूर करना भी उतना ही आवश्यक है। इसी चिंता के परिणामस्वरूप Operation Blackboard की संकल्पना की गई।

Operation Blackboard में सीखने संबंधी सामग्री

1. पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकें व शिक्षक संदर्शिकाएँ।
2. संसार, भारत, राज्य तथा जिला के मानचित्र।
3. आवश्यकता-चार्ट, खिलौने तथा प्लास्टिक का एक ग्लोब
4. Tools-Kit जैसे- कैंची, हथौड़ा तथा प्लास आदि सामग्री भी है।
5. रेडियो व टेपरिकॉर्डर।

University Roll No. ....

6. पुस्तकालय जिसमें प्रत्येक छात्र-छात्रा के लिए दी पुस्तकें उपलब्ध हों।

7. दो पत्रिकाएं जिसमें एक ही बच्चे से संबंधित हो तथा दूसरी अध्यापक के लिए हो।

सामग्री की वितीय स्थिति

	मद	संख्या	धनराशि (रु०)
1.	शिक्षकों के लिए सामग्री		
	(i) सिलेबस	1 सेट	50.00
	(ii) पाठ्यपुस्तकें	1 सेट Primary	15.00
	(iii) शिक्षक-निर्देशक पुस्तिका	1	15.00
2.	कक्षा में शिक्षण - सामग्री		
	(i) मानचित्र		175.00
	(ii) मानचित्र (जिला, राज्य, देश, विश्व)	प्रत्येक एक	
	(iii) प्लास्टिक ग्लोब	1 सेट	100.00
	(iv) शैक्षणिक चार्ट (स्वास्थ्य, समाजशास्त्र तथा भाषा)	1 सेट	40.00

	मद	संख्या	धनराशि (रूपयें)
3.	खेल सामग्री और खिलौने		
(i)	समय ब्लॉक	3 सेट	120.00
(ii)	पक्षियों जानवरों से संबंधित पहेली	3 सेट	60.00
(iii)	खिलौने (गाड़ियाँ, आदमी, जानवर, खिलौने)	3 सेट	300.00
4.	खेल सामग्री		
(i)	कूदने की रस्सी	10	60.00
(ii)	गेंद-फुटबॉल, बालीबॉल, रबर-बॉल	2, 2, 10	70, 70, 50
(iii)	स्पयर पम्प	1	35.00
(iv)	Ring	5	50.00
(v)	टायर सहित झूले की रस्सी	1	35.00
(vi)	प्राइमरी विज्ञान किट	1	400.00
(vii)	छोटा औजार बैग	1	300.00
(viii)	गणित किट	1	300.00
(ix)	पुस्तकालय के लिए पुस्तकें	2	100.00
5.	स्कूल की घंटी	1	50.00
6.	वाद्य यंत्र		
(i)	ढोल या तबला	1	100.00
(ii)	हारमोनियम	1	500.00
(iii)	मजीरे	2	50.00

	मद	संख्या	धनराशि
7.	फर्नीचर		
	(i) चटाइयाँ	2 सेट	700.00
	(ii) डिब्बे	2	370.00
8.	श्यामपट्ट पिनअप बोर्ड		
	(i) कैनवास	2	400.00
	(ii) चाक और डस्टर	2	50.00
9.	पानी पीने के लिए गिलास		
	(i) घड़े से पानी निकालने के लिए डिब्बा	10	50.00
	(ii) कचरे के लिए डिब्बे	4	
	Total / कुल योग :-		7215.00

सम्बन्धित उपलब्ध सामग्री :→ योजना के अधीन उपलब्ध कराई गई सामग्री के उपयोग के संदर्भ में N.C.E.R.T. द्वारा निम्नलिखित मुद्रित तथा गैर मुद्रित सामग्री तैयार की गई है। यह सामग्री सभी राज्यों और क्षेत्रों में भेज दी गई है:-

(क) मुद्रित सामग्री :→ अध्यापकों का विस्तृत अभिविन्यास कार्यक्रम। बोधात्मक पैकेज (खण्ड-I) क्रियाशील पैकेज (खण्ड-II)।

(ख) गैर मुद्रित सामग्री :→

1. 203 रंगीन स्लाइड।
2. 6 कार्यक्रम गणित किट के उपयोग पर।
3. 1 कार्यक्रम कला शिक्षण पर।
4. 1 कार्यक्रम ब्रेल (Braille) विधि पर।
5. कार्यक्रम सृजनात्मक और सौंदर्यपरक विकास पर।
6. 15 वीडियो कार्यक्रम।
7. 2 कार्यक्रम प्राथमिक विज्ञान किट के उपयोग पर।
8. 2 कार्यक्रम पुस्तकालय की पुस्तकों के उपयोग पर।
9. 1 कार्यक्रम संगीत, लय और गति पर।

*** स्टाफ (Staff) :→** नीति में यह कहा गया है कि प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में कम से कम दो कमरे, दो अध्यापक होंगे जिनमें एक महिला होगी। यथासम्भव

इसके ही प्रत्येक कक्षा के लिए एक-एक शिक्षक की व्यवस्था की जाएगी।

श्यामपट्ट अभियान व 1992 की संशोधित शिक्षा नीति:→

1992 की संशोधित शिक्षा नीति में कहा गया की श्यामपट्ट अभियान के क्षेत्र को बढ़ाया जाएगा। इसमें प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय के लिए प्रत्येक मौसम में उपयोग के योग्य तीन बड़े कमरों की व्यवस्था का प्रस्ताव दिया गया। शिक्षकों की संख्या को बढ़ाने का प्रस्ताव देते हुए कहा गया कि प्रत्येक विद्यालय में कम से कम तीन शिक्षकों को काम करना चाहिए।

नीति के अनुसार, "भविष्य में भर्ती किए जाने वाले शिक्षकों में कम से कम 50% महिलायें होंगी। ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड का विस्तार कर उसे उच्च प्राथमिक स्तर पर भी लागू किया जायेगा। स्कूल भवनों के निर्माण को जवाहर रोजगार योजना में प्राथमिकता दी जाएगी।

यह भी अपेक्षा की गई थी कि अभियान को सफल बनाने में शासन, स्थानीय निकाय, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा व्यक्तियों की पूरी भागीदारी होगी।

University Roll No. ....

इम्प्रप्टू अभियान कार्यक्रम की आवश्यकता एवं महत्व

Need & Importance of Programme operation B.B.

1. शैक्षिक वातावरण के निर्माण के लिए :→

सीखने व सिखाने की प्रक्रिया प्रभावशाली ढंग से चले इसके लिए विद्यालयों में शैक्षिक वातावरण का होना बहुत आवश्यक है। विद्यालय के पास यदि भवन का अभाव है तो सभी मौसमों में बच्चों को बाहर बैठना पड़ता है तो ऐसे वातावरण में न तो अध्यापक ही अपने कर्तव्य का अच्छी प्रकार से पालन कर पायेंगे और न ही बच्चे कुछ सीख पायेंगे।

2. शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए :→

शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक संस्था में पूरे अध्यापक हों तथा पर्याप्त अधिगम सामग्री हो। सामग्री के अभाव में अच्छा शिक्षण नहीं हो सकता और अच्छे शिक्षण के बिना शिक्षा के स्तर में सुधार भी नहीं लाया जा सकता।

3. अपव्यय व अवरोधन की समस्या के समाधान के लिए :→

प्राथमिक स्तर पर अपव्यय व अवरोधन की समस्या आज प्रत्येक शिक्षाविद का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किए हुए है। इस समस्या का मुख्य कारण विद्यालयों में भवन, अध्यापक

एवं अन्य शैक्षिक सुविधाओं का अभाव है। इन सुविधाओं की कमी के कारण विद्यालय छात्रों को रोके रखने में असमर्थ हैं। इस समस्या का समाधान किए बिना प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाने के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

4. **शिक्षा को सार्वभौमिक बनाने के लिए :→**

भारतीय संविधान के अनुसार हमारा लक्ष्य निःशुल्क एवं अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था करना है ताकि इसे सार्वभौमिक बनाया जा सके लेकिन सुविधाहीन विद्यालय बच्चों व उनके अभिभावकों को आकर्षित करने में असमर्थ हैं। अभिभावक बच्चों को विद्यालय भेजने की अपेक्षा उन्हें किसी काम में लगाना उचित समझते हैं। इसीलिए प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण का लक्ष्य अभी तक प्राप्त नहीं हो पाया है।

अंत में कहा जा सकता है कि ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड अभियान एक ऐसा अभियान है जिसको चलाने का उद्देश्य बहुत महत्वपूर्ण है। यदि हम पूर्ण मनोयोग से इस अभियान को सफलतापूर्ण चलाते हैं तो कोई संदेह नहीं की हमारे प्राथमिक विद्यालय आदर्श शिक्षण संस्थाओं के रूप में विकसित होंगे।

University Roll No. ________

मानचित्र :→

मानचित्र पृथ्वी की सतह या इसके एक भाग का पैमाने के माध्यम से चपटी सतह पर खींचा गया चित्र है।

मानचित्र के विभिन्न प्रकार होते हैं :→

1. भौतिक मानचित्र
2. राजनैतिक मानचित्र
3. थिमैटिक मानचित्र
4. रेखाचित्र मानचित्र
5. खाका मानचित्र ।

1. भौतिक मानचित्र :→

पृथ्वी की भौतिक आकृतियाँ जैसे- पर्वतों, पठारों, मैदानों, नदियों, महासागरों इत्यादि को दर्शाने वाले मानचित्र को भौतिक मानचित्र कहा जाता है।

2. राजनैतिक मानचित्र :→

राज्यों, नगरों, शहरों तथा गाँवों और विश्व के विभिन्न देशों व राज्यों तथा उनकी सीमाओं को दर्शाने वाले मानचित्र को राजनीतिक मानचित्र कहते हैं।

3. थिमैटिक मानचित्र :→

कुछ मानचित्र विशेष जानकारी प्रदान करते हैं जैसे-सड़क मानचित्र, वर्षा मानचित्र, वन मानचित्र को ही थिमैटिक मानचित्र कहा जाता है।

University Roll No. ________

रेखाचित्र मानचित्र :→ रेखाचित्र एक आरेख है जो पैमाने पर आधारित न होकर स्थानीय प्रक्षेपण पर आधारित होता है जैसे कच्चे आरेख को बिना पैमाने की सहायता से खींचा जाता है इसी को रेखा मानचित्र कहा जाता है।

School Experience

First Week

Ist day हम सुबह 8 बजे School में पहुंचे और वहां पर पहुंच कर हम स्कूल की Principal से मिले। उनसे मिलकर हमें बहुत अच्छा लगा और उनसे हमने स्कूल के वातावरण, कार्यक्रम आदि के बारे में वार्तालाप की। School का माहौल बहुत ही अच्छा था। फिर वहां के अध्यापकों से बातचीत की। अध्यापकों ने हमारी सहायता की और स्नेहपूर्वक व्यवहार किया।

1. भवन का आकार :→

स्कूल भवन का बाहरी दृश्य देखने में अत्यन्त सुन्दर है। इस भवन की बाहरी बनावट अच्छी है और इसमें हर प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

2. स्मार्ट क्लास रूम :→

स्कूल में दो स्मार्ट क्लास रूम भी बनाये गए हैं। इसके माध्यम से बच्चों को और अधिक अच्छी प्रकार से पढ़ाया जा सकता है।

2nd Week

Teacher - Student Relation

Teacher :→ अध्यापक एक ऐसा व्यक्ति होता है जो बच्चों को शिक्षा प्रदान करता है और उनको जीवन में सफल बनाने के लिए मार्गदर्शन करता है। कहा भी गया है :→ जिस देश का शिक्षक महान होता है,
वह देश हिमालय के समान होता है।
सच मानिए पीकर अमृत जैसा ज्ञान,
मानव का जीवन जवान होता है।

Student :→ विद्यार्थी शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है – विद्या + अर्थी । इसका अर्थ है- शिक्षा ग्रहण करना ।

Relation between Teacher and Student

1. अध्यापक का स्वभाव प्रभावपूर्ण होना चाहिए और सहनशील भी होना चाहिए ।
2. विद्यालय के अध्यापक एवं अध्यापिकाओं को विद्यार्थियों से अच्छी तरह से समायोजित होना चाहिए।

अध्यापक तथा विद्यार्थियों के समान उद्देश्य :→

- ज्ञान में वृद्धि करना ।
- स्मरण शक्ति को बढ़ाना ।
- विश्वसनीय बनाना ।

3rd Week

Teaching Learning Materials :→ TLM का अर्थ है इस तरह शिक्षण सामग्री जो शिक्षण प्रणाली को पूर्ण करने में सहायक हो जैसे चॉक, डस्टर, प्वांइटर, मॉडल मैप, रेडियो, चार्ट, श्यामपट्ट, सामान्य वस्तुएं आदि ।

Chalk :→ इस विद्यालय के अध्यापक तथा अध्यापिकाएँ चॉक का प्रयोग करती हैं जिससे बच्चों को समझने में आसानी होती है।

Duster :→ श्यामपट्ट पर कार्य करने में झाड़न की महत्वपूर्ण भूमिका है।

Chart :→ इस विद्यालय में अध्यापकों को बच्चों के सही विकास और पूर्ण ज्ञान प्रदान करने के लिए चार्ट का प्रयोग करना पड़ता है।

अन्य सामान्य वस्तुओं का प्रयोग भी किया जाता है जो शिक्षण प्रक्रिया के लिए अनिवार्य है।

4th Week

Test :→ अध्यापकों द्वारा बच्चों का टेस्ट इसलिए लिया जाता है ताकि वह बच्चों का पूर्ण रूप से निरीक्षण कर सकें। यह पता लग सके की उनके द्वारा किया गया कार्य पूर्ण रूप से सही है या नहीं और इससे यह पता चलता है कि बच्चों को कितना समझ में आया है और हमें अपनी कमियों का भी पता चल जाता है ताकि उन्हें दूर किया जा सके।

5th Week

Regularity :→ नियमितता का अर्थ है प्रतिदिन उपस्थित होना। इस विद्यालय में अध्यापिकाओं और विद्यार्थियों की नियमितता के विषय में जानकारी प्राप्त होती है। यहां पर प्रत्येक दिन अध्यापिकाएं अपनी कक्षाएं पूर्ण रूप से लेती हैं।

नियमितता का शिक्षा से अत्यंत गहरा संबंध होता है यदि शिक्षा नियमित रूप से मिलती

रहे तो बच्चों की लगन एवं रूचि बनी रहती है।

6th Week

Role of Teacher :→ 1. अध्यापकों की बच्चों के कार्य के प्रति रूचि होनी चाहिए।
2. बच्चों को सिखाने के लिए अलग-2 विधियों का प्रयोग।
3. समय-2 पर विद्यार्थियों को कार्य देना चाहिए।
4. विद्यार्थियों की गलतियों में सुधार करवाना चाहिए।
5. विद्यार्थियों के द्वारा भाषायिक योग्यता द्वारा कार्य करने पर बल देना चाहिए।

अतः इससे स्पष्ट होता है कि बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए एक अध्यापक का अहम योगदान होता है।

7th Week

सामाजिक - सांस्कृतिक प्रोग्राम

D.R.M. Sr. Sec. School में समय-2 पर अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रोग्रामों का आयोजन करवाया जाता है। इससे बच्चों को अपनी संस्कृति के बारे में पूर्ण रूप से

जानकारी प्राप्त होती है और उन्हें अपने देश के अलग-2 राज्यों की संस्कृति के बारे में ज्ञान प्राप्त होता है।

अध्यापकों को भी समय-2 पर बच्चों को सांस्कृतिक प्रोग्रामों के बारे में बताते रहना चाहिए ताकि बच्चे अपनी संस्कृतियों के बारे में समझ सकें। समाज के प्रति कर्तव्य को बच्चों को बताते रहना चाहिए।

8th Week

कक्षा-कक्ष का वातावरण :→ D.R.M. Sr. Sec. School में सभी अध्यापकों द्वारा बच्चों पर पूर्ण रूप से नियंत्रण रखा गया है यहां पर सभी कक्षाओं के अध्यापक अपनी-2 कक्षा को सही प्रकार से सम्भालते हैं। इसी तरह उन्होंने Pupil Teaching में हमारा भी बहुत सहयोग किया और हमारे कार्यों में मदद की ताकि हम अपनी Teaching सही तरह से पूरी कर सकें।

अध्यापक द्वारा कक्षा पर नियंत्रण :→

1. कक्षा के बैंच तथा कुर्सी सही तरह से लगे होने चाहिए।
2. कक्षा में मानचित्र तथा मॉडल की व्यवस्था होनी चाहिए।

3. कक्षा में रोशनी तथा हवा का उचित प्रबंध होना चाहिए।

9th Week

Test :→ Pupil teacher के द्वारा करवाया गया कार्य का निरीक्षण करने के लिए हमने week में उनका test लिया ताकि इससे पता चल सके कि करवाया गया कार्य बच्चों को समझ में आ रहा है या नहीं अर्थात् इससे यह भी पता चल जाता है कि कौन-सा बच्चा कमजोर है और कौन-सा सही काम कर रहा है। हमें हमारी कमियों का भी पता चल जाता है और उन कमियों में सुधार किया जा सकता है।

10th Week

खेल प्रतियोगिता :→ शिक्षण प्रक्रिया के 10वें सप्ताह के दौरान स्कूल में वार्षिक खेल महोत्सव मनाया गया। इसमें सभी कक्षाओं के बच्चों ने

बढ़-चढ़ कर भाग लिया। खेल महोत्सव तीन दिवसीय स्तर पर मनाया गया। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी सम्मिलित किया गया था और सभी बच्चों ने अपनी अलग-2 प्रतिभाओं का मंचन किया। खेल महोत्सव के तीसरे दिन इनाम वितरण का कार्य सम्पन्न किया गया। इस खेल महोत्सव के मुख्य अतिथि राज्य के खेल मंत्री श्रीमान अनिल विज थे। उन्होंने खेल प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद सभी बच्चों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

AIDS

11th Week

स्कूल भवन की कमियाँ :→

1. Smart class rooms की कमी होने के कारण विद्यार्थियों को अलग से ज्ञान प्राप्ति में कमी रह जाती है। इसी लिए बच्चों के लिए और अधिक smart class rooms अत्यंत आवश्यक है।

2. Science Lab में वस्तुओं की कमी के कारण विद्यार्थी अपने कार्य की पूर्ण रूप से जानकारी नहीं प्राप्त कर सकते। इससे बच्चों को भविष्य में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

University Roll No. ________

3. ग्रामीण क्षेत्र में स्कूल होने से ठंडे पानी की व्यवस्था भी उचित प्रकार से नहीं पाई गई है। यहाँ पर बच्चों को गर्मियों में पानी और बिजली की समस्या बनी रहती है।

12th Week

फरवरी के एक सप्ताह में विभिन्न क्रियाओं का आयोजन करके बच्चों को त्योहार के महत्व का परिचय करवाया गया और इसके अंतर्गत बच्चों के लिए रंगोली का भी आयोजन किया जाता है। त्योहार हमारे देश में उत्साह के साथ मनाए जाते हैं तथा इसे सभी भारतीय मिल-जुलकर प्रेमपूर्वक मनाते हैं।

University Roll No. ______

15th Week

Annual Function :→ फरवरी माह की शिक्षण प्रक्रिया के दौरान स्कूल का वार्षिक महोत्सव मनाया गया था जिसमें पूरे स्कूल के बच्चों तथा अध्यापकों तथा अन्य सहायक को भी आमंत्रित किया गया था। वार्षिक महोत्सव की तैयारी महोत्सव से 3-4 दिन पहले ही शुरू कर दी गई थी। इसमें स्कूल के मेधावी छात्रों तथा अध्यापकों को सम्मानित किया गया और इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी सम्मिलित किया गया।

16th Week

निष्कर्ष :→ अतः हम यह कह सकते हैं कि स्कूल में इंटरशिप के दौरान हमें बड़े आनंद की अनुभूति हुई अर्थात् School में Intership के दौरान स्टाफ का भी सहयोगात्मक रवैया रहा। इस प्रकार से हम कह सकते हैं कि B.Ed. के द्वारा Intership को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया।